an>

Title: Need to clear the arrears of sugarcane farmers by sugar mills in Gonda Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री कीर्ति वर्धन सिंह (गोंडा) ः मैं अपने संसदीय क्षेत्र गोण्डा के करीब 2 लाख काश्तकारों का दर्द एवं उनकी परेशानी की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। देवीपाटन मंडल की 10 चीनी मिलें किसानों के लगभग चार अरब रूपए दबाए बैठी है। भुगतान न होने से किसानों को धान की खेती हेतु खाद खरीदने में परेशानी हो रही है। उन्हें अपना पैसा समय से नहीं मिल पा रहा है। 22 जुलाई, 2015 तक सरकारी आंकड़ों तथा कुछ समाचार-पत्रों के आंकड़ों के अनुसार जिन चीनी मिलों पर किसानों का बकाया है, उनका विवरण निम्नवत् है- मनकापुर चीनी मिल पर 32.90 करोड़ रूपए, घिलवरिया पर 73.33 करोड़ रूपए, तुलसीपुर पर 34.32 करोड़ रूपए, बलरामपुर पर 47.93 करोड़ रूपए एवं ईटईमैदा पर 74.42 करोड़ रूपए। इन चीनी मिलों ने गन्ना मूल्य भुगतान में न सिर्फ नियमों को ताक पर रखा बल्कि अधिकारियों के निर्देशों का भी पालन नहीं किया। यहां तक कि हाई कोर्ट के 15 जुलाई, 2015 तक 75 प्रतिशत भुगतान किए जाने के आदेश की समय-सीमा को भी ध्यान में नहीं रखा। भुगतान के नियम के अनुसार 14 दिनों के भीतर भुगतान न हो तो मिलों को भुगतान पर ब्याज देना चाहिए। किन्तु, ऐसा होता नहीं है। पिछले वर्ष इन 10 चीनी मिलों पर 33.69 करोड़ रूपए का ब्याज निकला था जिसका भुगतान किसानों को नहीं किया गया था।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि किसानों की बकाया राशि का तुरन्त भुगतान करवाने के आदेश देने का कष्ट करें।